आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 23.06.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- क्यारी ने आज अपना 48वां स्थापना दिवस मनाया–वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
- द्वीपों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए माई वेलनेस सेंटर का उद्घाटन ।
- स्वास्थ्य सेवा निदेशक की अध्यक्षता में अंडमान निकोबार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठक आयोजित।
- दक्षिण अंडमान जिला परिषद अध्यक्ष ने क्षेत्र में विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने आज अपना 48वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ. टी आर दत्ता सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नाबार्ड के महाप्रबंधक गोपालन संथानम मुख्य अतिथि, जबकि आई सी एम आर के निदे"ाक डॉ. अपरूप दास सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में जी. संथानम ने द्वीपों में वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने में संस्थान की उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि क्यारी बागवानी, फसल विज्ञान, पशु विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और मत्स्य विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में अनुसंधान करता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ऋण और अन्य सुविधाएं प्रदान करने और विनियमित करने के लिए एक विकास बैंक के रूप में नाबार्ड की भूमिका पर भी विस्तार से बताया। डॉ. अपारुप दास ने "भारत में मलेरिया की जूनोटिक उत्पत्ति के लिए जीनोमिक साक्ष्य" पर जानकारी दी। क्यारी के निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर ने पिछले वर्ष संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी बुलेटिन और फ़ोल्डरों सहित कुल 10 प्रकाशन जारी किए गए। वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को प्रौद्योगिकी विकास, व्यावसायीकरण, क्षेत्र प्रयोगों, अनुभाग प्रदर्शन, शोध प्रकाशनों और समग्र संस्थागत सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। क्यारी के निदे"ाक ने कहा कि यह कार्यक्रम एक उत्सव है, जिसके जरिए ये बताने की कोि"ा"ा की जाती है कि जो तकनीक हम किसानों के लिए ला रहे हैं, वह उन तक पहुंच रही है या नहीं और उससे उनको कितना लाभ हो रहा है।

<><><><><><><><>

युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत द्वीपवासियों के स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए श्री विजयपुरम स्थित अंडमान महिला मंडल के परिसर में माई वेलनेस सेंटर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। यह वेलनेस पहल "बीमारी से तंदुरुस्ती" मिशन के तहत शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य सभी आयु समूहों के बीच स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बिष्णु पद रे और चिन्मय मिशन के स्वामी शुद्धानंद सरस्वती सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में उचित आहार और नियमित योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक फिटनेस बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को रोकने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। स्वामी शुद्धानंद सरस्वती ने अच्छे स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के बीच गहरे संबंध के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सार्थक जीवन जीने के लिए स्वस्थ शरीर और मन आवश्यक हैं। इससे पहले, अंडमान महिला मंडल की अध्यक्षा ने माई वेलनेस सेंटर की स्थापना के उद्देश्य पर प्रका"ा डालते हुए कहा कि मंडल परिसर में प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए नि:शुल्क फिटनेस और वेलनेस सत्र प्रदान किया जाएगा।

<><><><><><><><>

भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित होकर एक दशक तक उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पिछले एक दशक में, सरकार ने शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और बुनियादी ढाँचे के विकास में लक्षित पहलों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान में महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम ने अकेले 18 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी। इस बीच, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम ने पिछड़े वर्गों को रियायती ऋण प्रदान करते हुए एक द"ामलव सात चार लाख से अधिक लाभार्थियों को 752 करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए। सांस्कृतिक और समुदाय–विशिष्ट पहलों ने भी सार्थक प्रभाव डाला है। हज सुविधा ऐप और हज स्वयंसेवकों के लिए समर्पित प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाया है। पारदर्शिता और शासन को मजबूत करने के लिए, ऐतिहासिक वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को अधिनियमित किया गया, इसके बाद उम्मीद पोर्टल का शुभारंभ किया गया, जिससे वक्फ संपत्तियों के लिए

डिजिटल प्रबंधन के एक नए युग की शुरुआत हुई। इसके अतिरिक्त, बौद्ध विकास योजना, जियो पारसी और अन्य जैसी योजनाओं ने संस्कृति को संरक्षित करके, शिक्षा को बढ़ावा देकर और सामुदायिक कल्याण को बढ़ाकर विभिन्न समुदायों की अनूठी जरूरतों को पूरा किया है। समर्पित योजनाओं, छात्रवृत्ति सहायता, डिजिटल सुधारों और विरासत संरक्षण के माध्यम से, सरकार सार्थक सशक्तिकरण और स्थायी समावेश को बढ़ावा देती है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार एंटी–नारकोटिक फोर्स की 18वीं बैठक हाल ही में पुलिस महानिरीक्षक सिंधु पिल्लई ए की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने ए एन टी एफ के गठन के महत्व और न"ा के खिलाफ भूमिका के बारे में बताया। इस संबंध में, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. सुजा एंटनी की अध्यक्षता में अंडमान निकोबार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सदस्य और अन्य स्थानीय खुदरा, थोक फार्मेसी मालिक के साथ द्वीपसमूह को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिना वैध पर्चे के टीबी विरोधी दवाओं सहित अन्य दवाओं की अनधिकृत बिक्री को रोकने के लिए औषधि निरीक्षकों द्वारा फार्मेसियों का औचक निरीक्षण करने के महत्व पर जोर दिया। सी आई डी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार मीना ने द्वीपों के युवाओं और आम जनता के बीच नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और कम करने के लिए सभी विभागों और निजी फार्मेसियों द्वारा संयुक्त प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। ड्रग इंस्पेक्टर सरबानी दास, आर थिबन राज और डॉ एम सुधी ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन में लाइसेंसिंग प्राधिकरण की सहायता करते हुए खुदरा दवा लाइसेंस की विभिन्न शर्तों के बारे में हितधारकों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जागरूकता बाइक रैली भी आयोजित हुई, जिसे स्वास्थ्य सेवा निदेशक और सी आई डी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश अधिकारी, ने वीकेवी लंबा लाइन की सचिव वर्षा, कार्यकारी अभियंता और इंजीनियरों और जिला परिषद सदस्यों के साथ, क्षेत्र में चल रही और आगामी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। टीम ने पोर्ट मोट में जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय, मीठाखाड़ी में बोटिंग कॉम्प्लेक्स, फेरी जेटी और मंगलुटान में प्रस्तावित नए जिला परिषद विवेकानंद केंद्र विद्यालय के लिए साइट का दौरा किया। दौरे के दौरान, राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन की सुविधा के लिए साइट क्लीयरेंस और बड़े पेड़ों को हटाने के निर्देश जारी किए गए। अध्यक्ष ने बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए बोटिंग कॉम्प्लेक्स और पोर्ट मोट में चल रहे कार्यों को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

<><><><><><><>

पुराने पुलिस स्टे"ान सेटेलाइट कॉलोनी से ऑस्टिनाबाद मुख्य सड़क तक मौजूदा सड़क के पुनः निर्माण के कार्य के कारण पच्चीस जून तक इस सड़क से सभी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इस अवधि के दौरान सभी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा।

<><><><><><><>